



मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी
शैक्षिक कविताओं का
संकलन

प्रदूषण के प्रकार



संकलन

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि टीम,





मिशन शिक्षण संवाद



जल प्रदूषण

01

जल प्रदूषण भी पर्यावरण का अभिन्न अंग है, मानव जीवन जब तक है तब तक पानी का संग है। नदी, तालाब, कुएं आदि से मिलता है पानी, जल प्रदूषण हो रहा है यह मानव की है मेहरबानी।।

फैक्ट्री का कूड़ा-करकट नदियों में बहाया जाता, तालाबों पर जानवरों को नहलाया जाता। नदियों में अगर ऐसे ही गंदा किया जाएगा, जल प्रदूषण एक दिन जानलेवा बन जाएगा।।



प्रदूषित जल के सेवन से अनेक रोग पनपते हैं, जल के यह कीटाणु आँखों से नहीं दिखते हैं। अगर अब भी यह जल प्रदूषण नहीं रोका जायेगा, तो मानव का जीवन दुर्लभ हो जायेगा।।



शहनाज बानो (स०अ०)
पूर्व मा०वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



मिशन शिक्षण संवाद



जल प्रदूषण

02

जल है जीवन, प्राण और श्वास,
न करो इसका तुम विनाश।

मेघ जब -जब जल बरसाते,
खेत- खलिहान तभी लहलहाते।।

इसी से चलती हमारी श्वास,
न करो इसका तुम विनाश।

औद्योगिक कचरा क्यों बहाते,
जानवरो को नदी, तालाब मे क्यों नहलाते।।

जल मे बसती हमारी श्वास,
न करो इसका तुम विनाश।
कर रहे संसाधनो का बहुत तुम शोषण,
तभी हो रहा इतना प्रदूषण।।



नदी, तालाब, झरने और सागर,
है धरा के यह आभूषण।

दूषित जल से रुकती जीव-जंतुओ की श्वास,
न करो इसका तुम विनाश।।



इला सिंह(स.अ.)
पू.मा.वि.पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

जल प्रदूषण

03

तर्ज- चेहरा है या चाँद खिला है

मानव और जीवों की जैविक,
औद्योगिक क्रियाओं से।
भूजल भी हो जाता प्रदूषित,
मानव क्रिया-कलापों से।।

नदी, झील, सागर का जल
जब संदूषित हो जाता है।
जीवों और पौधों का जीवन
असंतुलित हो जाता है।



दूषित जल को पीने से,
जीव-जंतु हो जाते बीमार।
पेचिश, टाइफाइड, पीलिया, हैजा
घटा देते जीवन रफ़्तार।

दूषित जल को पीने से,
जीव-जंतु हो जाते बीमार।
पेचिश, टाइफाइड, पीलिया, हैजा
घटा देते जीवन रफ़्तार।

पूजा सचान
EMPS मसेनी
बढ़पुर, फर्रुखाबाद



वायु प्रदूषण

हर तरफ धुआँ ही धुआँ,
हानिकारक गैसों का आवरण।
सांस लेना हुआ है मुश्किल,
चारों तरफ है वायु प्रदूषण।



04

अम्लीय वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग
प्रदूषण के कारण होता।
वायु गुणवत्ता सूचकांक,
प्रदूषण का मापन करता।

पेड़ कट रहे आज वनों में,
मोटर गाड़ी धुआँ छोड़े।
धूम्रपान चिमनी का धुआँ,
शरीर में रोगों को जोड़ें।

जाग जाओ अभी समय है,
कर लो तुम अब वृक्षारोपण।
वाहनों का प्रयोग करो कम,
तभी रुकेगा वायु प्रदूषण।



हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

वायु प्रदूषण

05

रमैया वस्तावैया, रमैया वस्तावैया।
प्रदूषण ने शुद्ध वायु छीन लिया।।

वायु में न थी शुद्धता की कमी,
धूल, धुएं ने इसको प्रदूषित किया।
मानव जीवन था प्यारा,
शुद्धता था सहारा।

प्रदूषण ने इसमें ज़हर घोल दिया,
अब पछताएं तो क्या।
लाख समझायें तो क्या,
प्रदूषण ने शुद्ध वायु छीन लिया।।



वाहन, उद्योग से निकले धुआं,
इसने बीमारियों को पैदा किया।
फेंक देते हो कचरा यहाँ से वहाँ,
हर तरफ गन्दगी और है धुआं।

इस धुएं ने जीना मुश्किल है किया,
अब सब पौधे लगाओ।
वायु को शुद्ध बनाओ,
प्रदूषण ने शुद्ध वायु छीन लिया।।

रुखसाना बानो(स०अ०)
पूर्व मा०वि० अहरौरा
जमालपुर, मिर्जापुर



वायु प्रदूषण

पंच तत्वों में समाहित,
वायु का स्थान विशेष।
प्रदूषण रहित कर वायु,
बचाएं निज जीवन शेष॥

कारखानों से निकले धुआं,
वाहन भी करते प्रदूषण।
वृक्षारोपण कर रोकें इसे,
न हो प्रकृति का शोषण॥

हे मानव! अब जागो तुम,
वायु को रखो विशुद्ध।
रोगमुक्त रहें ये संसार,
संतुलन न हो अवरूद्ध॥

पेड़ लगाएं हम मिलकर,
प्रदूषण का करें संहार।
हरियाली हो चहुँ ओर,
स्वस्थ रहें सारा संसार॥

प्रतिभा चौहान (स०अ०)
प्रा०वि० गोपालपुर
डिलारी, मुरादाबाद



6

ध्वनि प्रदूषण

ध्वनि बढ़ें जब चारों ओर,
तब हम उसको कहते शोर।
एक पैमाना नापे इसको,
डेसीबल कहते हैं जिसको॥



07

90 से ऊपर जो जाए,
समझो सिर पर खतरा मंडराए।
हॉर्न, स्पीकर अति पर आते,
प्रदूषण का रूप दिखाते॥

श्रवण हास, तनाव है बढ़ता,
हृदय सम्बन्धी रोग है करता।
रक्तचाप को तेज है करता,
प्रजनन क्षमता पर असर है पड़ता॥

गर जीवन को अब है बचाना,
वाहनों पर ध्वनि नियन्त्रक लगाना।
अगर समय से कदम उठेंगे,
निश्चित प्रदूषण दूर करेंगे॥



आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी, मुरादाबाद

ध्वनि प्रदूषण

08

मीठी ध्वनि मोहक लग जाए,
तीव्र अनुपयोगी प्रदूषण कहलाए।
बढ़ती जनसंख्या और विकास,
यातायात वाहनों में वृद्धि के साथ।।



मोटर वैमानिक शोर शराबा,
देता ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा।
औद्योगिक आवासीय इमारतों का बढ़ा निर्माण,
खराब शहरी नियोजन से संकट में प्राण।
जीते तनाव चिड़चिड़ेपन के साथ,
नींद न आए उच्च रक्तचाप।
श्रवण शक्ति का होता ह्रास,
हृदय ,पाचन,तंत्रिका तंत्र पर होता विशेष आघात।।
पशु पक्षियों की संकट में जान,
खोजें ध्वनि प्रदूषण का शीघ्र निदान।

सुमन पांडे, प्र.अ.
प्रा. वि.टिकरी मनौटी,
खजुहा, फतेहपुर



ध्वनि प्रदूषण

9

लाउडस्पीकर की आवाजों,
वाहनों के तेज शोर से।

बंधनमुक्त हुए जा रहे सब,
खुद की जीवन डोर से।।

नापी जाती है तीव्रता,
ध्वनि की डेसीबल से।

45 डेसीबल की ही ध्वनि,
सुनें कान बस मन से।।

तीव्र ध्वनि से पैदा होते,
अनगिनत मानसिक रोग।
जिन उपकरण से हो शोर,
बंद करो उनका उपयोग।।

मानने होंगे सरकार द्वारा,
बनाए ध्वनि नियंत्रण कानून।
बंद करो ये आतिशबाजी,
बंद करो ये मौत का जुनून।।



गीता यादव(प्र०अ०)
प्रा०वि०मुरारपुर
देवमई, फतेहपुर



मृदा प्रदूषण

10

भूमि के अपरदन से होता मृदा प्रदूषण,
मृदा की उपज पर बुरा प्रभाव डालता प्रदूषण।
औद्योगिक रसायन से मृदा को पहुँचती हानि,
मृदा के साथ देखो कैसे दूषित हो रहा है पानी॥



फसलों व पौधों पर हो रहा है कुप्रभाव,
देखो कैसा अन्न का कैसा होता जा रहा अभाव।
लालच में आकर मनुष्य ने कृत्रिम उर्वरक डाला,
जिसने देखो समाज में अनेक रोग से फैला डाला॥

देखो पॉलिथीन किस तरह मिट्टी में मिल जाती,
पानी पहुँच न पाता न फसल न उग पाती।
71 प्रतिशत खाद्य पदार्थ विश्व में इससे ही मिलते,
फिर भी मनुष्य इसकी महत्ता को नहीं समझते॥



मिट्टी में मिल कर केंचुआ जैविक खाद बनाता,
तभी तो देखो किसानों का मित्र कहलाता।
पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी के क्षरण को हम बचाएं,
प्राकृतिक उर्वरक प्रयोग करके मृदा उपजाऊ बनाएं॥



आकांक्षा मिश्रा
प्रा० वि० सिंकन्दरपुर
सुरसा, हरदोई

मृदा प्रदूषण

11

मृदा की भौतिक व रासायनिक गुणवत्ता में अतिक्रम आता है भूमि की उपयोगिता नष्ट होती तब मृदा प्रदूषण कहलाता है।

कीटनाशक, कृतिम उर्वरक शत्रु मृदा के भू क्षरण भी मिट्टी की उपरी परत हटा दे, वनों का कटाव भू के जैविक तत्व मिटा दे, प्लास्टिक और अपशिष्ट भू को बंजर बना दे। प्रकृति की हर वस्तु का आधार मृदा है स्वार्थी मानव ने इससे खिलवाड़ करा है, जहरीले रसायनों ने जल भी विषाक्त करा है, अपने हाथों मानव ने अपना जीवन हरा है। क्यों न हम जैविक खेती को प्रचलन में लाएं, पॉलीथिन पर रोक लगे और खूब पेड़ लगाएं, कूड़ा और जल निकासी का निस्तारण कर पाएं, प्रदूषण को रोक प्रकृति और जीवन बचाएं।



अर्चना अरोड़ा स. अ.
क. वि. बरेठर खुर्द
खजुहा, फतेहपुर



मृदा प्रदूषण

हानिकारक रसायन जब,
मिट्टी में मिल जाते हैं।
मृदा उर्वरता नष्ट करे वो,
मृदा प्रदूषण कहलाते हैं।।



12

जब अचानक रासायनिक रिसाव हो,
मृदा में मिल तब दूर तक बिखराव हो।
शहरों में निर्माण स्थल कारण बनते,
धूल, हवा भी मृदा प्रदूषण को फैलाते।।



प्रदूषित धूल से हमें रोगी बना सकता है,
अस्थमा, ब्रोकाइटिस, कैंसर हो सकता है।
दूषित मैदान में खेल बच्चे संक्रमित हो जाते,
दूषित मृदा से फल, सब्जी भी दूषित हो जाते।।

मृदा परीक्षण कर तुम सावधानी अपनाओ,
रासायनिक कचरे का उचित प्रबंधन कराओ।
कीटनाशक उर्वरक का कम करो प्रयोग,
मृदा प्रदूषकों को कम कर, स्वास्थ्य बनाओ।।

वन्दना यादव "गज़ल"
अभि०प्रा०वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर



रेडियोधर्मी प्रदूषण

13

रेडियोधर्मी प्रदूषण उस दशा को कहते हैं,
ठोस, द्रव, गैसीय पदार्थ जब आपस में मिलते हैं ।
अनायास रेडियोधर्मी विकिरण प्रकट होते हैं ,
जीवों और मनुष्यों को बीमार करते हैं ॥

रेडियोधर्मी प्रदूषण का कहर जब बढ़ जाता है,
जन्तुओं की मृत्यु का कारण बन जाता है ।
परीक्षण और विस्फोट परमाणु हथियारों का होता है,
रेडियोधर्मी विकिरण वातावरण को दूषित करता है ॥

जिम्मेदार है मानव इस प्रदूषण को फैलाने में,
जटिल रोग होते हैं कोशिका और त्वचा में ।
ब्रेनकैंसर और याद न रहना होते रेडियोधर्मी विकिरण से,
साक्षात् उदाहरण है हिरोशिमा और नागासाकी में॥



प्रतिमा उमराव , स. अ.
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर



मृदा प्रदूषण

मिट्टी में होने वाला प्रदूषण,
मृदा प्रदूषण कहलाता है।
अत्यधिक कीटनाशक का प्रयोग,
मृदा को बंजर बनाता है।।

14

खनन से निकलने वाला मलबा,
जगह-जगह फेंक दिया जाता है।
वर्षा के समय जल के साथ,
दूर- दूर जाकर प्रदूषण फैलाता है।।

अंधाधुंध रासायनिक खादों के
प्रयोग से पोषकता घट जाती है।
वर्षाऋतु में तेज बहाव से,
उपजाऊ मिट्टी बह जाती है।।

आओं मिलकर कदम बढ़ायें,
जैविक खादों का करे प्रयोग।
मिट्टी के कटाव को रोकें,
अत्यधिक वृक्ष लगायें लोग।।

रचना-राजेश तिवारी "रंजन"

(स०अ०)

पूर्व मा०वि० महुआ-२

महुआ, बाँदा



रासायनिक प्रदूषण

15

कार्बनिक, अकार्बनिक पदार्थ,
रासायनिक क्रिया जब करते।
गैस निकलती रहती इनसे,
वायु को प्रदूषित यह करते।।

गैसों का प्रतिकूल प्रभाव,
परिस्थिति विज्ञान पर पड़ता।
भूमि, जल, वायु होते प्रदूषित,
रासायनिक प्रदूषण कहलाता।।

कीटनाशी रासायनिक पदार्थ,
फसलों को रोग से बचाते हैं।
लेकिन यह भी पर्यावरण में,
विषैली गैस अधिक फैलाते हैं।।

मानवीय गतिविधियों के कारण,
पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता गया।
इस भारी समस्या पर काबू पाना,
मुश्किल और नामुमकिन हो गया।।



मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस



रासायनिक प्रदूषण

16

रसायनों से फैली गंदगी,
रासायनिक प्रदूषण कहलाए।
कीटनाशक व फैक्टरी का कचरा,
वायु, जल व मृदा में मिल जाए।।

पर्यावरण को करें प्रदूषित,
जहर हर तरफ घुलता जाए।
कोई भी ना बचा है इससे,
देखो कई रोग फैलाए।।

खाद्य श्रृंखला में हो शामिल,
सारे तंत्र में फैल जाए।
जीव-जंतु हों या हों मानव,
सबको नुकसान पहुंचाए।।

बचाव का बस यही तरीका,
आओ सारे जन अपनाएं।
पर्यावरण को रखें स्वच्छ,
प्रकृति को सुंदर बनाएं।।



मृदुला वैश्य (स०अ०)
पू० मा० वि० मीठाबेल
ब्रह्मपुर, गोरखपुर



रासायनिक प्रदूषण

17

देखो समाज में हो रहा रासायनिक प्रदूषण,
हर ओर कृत्रिमता को बढ़ाए यह प्रदूषण ।
पेड़-पौधों पर हम रसायन है डालते,
जिस से बुरी तरह वह देखो झुलस जाते॥



विज्ञान की चकाचौंध में हम इस तरह खो गए,
वातावरण की हर चीज को बेवजह प्रदूषित कर गए।
फैक्ट्री का रसायन जल को गंदा करता,
गंदे जल के प्रयोग से जीव-जगत है मरता॥

रसायनों की खोज में कोरोना जैसी महामारी फैली,
देखते ही देखते इसने लाखों की ज़िंदगी ले ली।
मृदा को नुकसान पहुंचाते हैं यह जहरीले रसायन,
मृदा थी जो कभी स्वच्छ हरी-भरी मनभावन॥



40 करोड़ टन का रसायन होता हर वर्ष,
खतरा बढ़ेगा लगातार सबको देता दर्द।
रसायन के ही कारण हवा नदियाँ गंदगी हो रही,
ज़िंदगी धीरे-धीरे मौत के साये में सो रही॥



सुधांशु श्रीवास्तव
प्रा०वि० मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

सीसा जनित प्रदूषण

18

सीसा जनित प्रदूषण बढ़ रहा,
मानव जीवन संकट गढ़ रहा।
हवा, पानी, मिट्टी, धूल और पेंट,
सीसा इनमें मिल दे रहा प्रदूषण भेंट।
सांसों संग फेफड़ों तक पहुँचे,
तरह-तरह की बीमारी से सींचे।
अमेरिका ने दुष्प्रभाव पता लगाया,
सूखी सतह पर सीसा कण पाया।।
घर बनाते समय रखें ध्यान,
सीसा पेंट न हो, लो जान।
खिड़की, दीवारें खुर्चो ना,
सांस के साथ न जाने दो ना।।
इमारत बनाने, गिराने में रखो ध्यान,
कपड़ों संग घर न आए, लो जान।
जन-जन को जागरूक करना है,
सीसा प्रदूषण से सबको बचाना है।।



रीना (स०अ०)

प्रा० वि० गिदहा

सदर, महाराजगंज



सीसा प्रदूषण

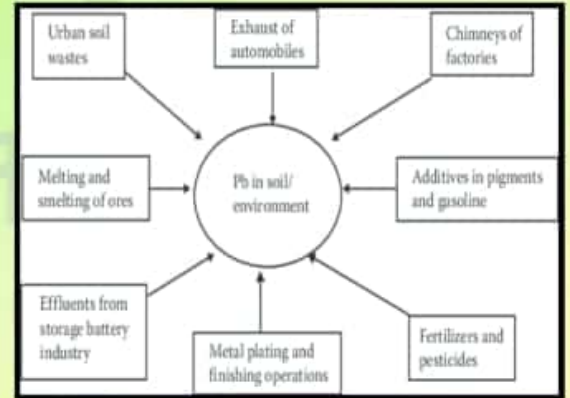
19

पर्यावरण स्वच्छ रहता है,
जीवन भी गति से चलता है।
पर्यावरण प्रदूषित हो तो,
मृत्यु का संकट बढ़ता है।।

सीसा तो ऐसा पदार्थ है,
रोगों को विस्तृत कर देता।
10 माइक्रोग्राम अगर हो तो,
तन-मन को विक्षत कर देता।।

इसके कारण कोशिका।
सक्रिय न रह पाती है।
सीसे की मात्रा बढ़ने से,
गुर्दे को क्षति हो जाती है।।

इसलिए समय-समय पर,
लेड की जाँच अवश्य करायें।
अगर बढ़ रहा हो सीसा तो,
खायें सही दवाएँ।।



प्रवीणा दीक्षित
Kgbu Kasganj





मिशन शिक्षण संवाद



सीसा जनित प्रदूषण

आओ कुछ नया बताएं,
सीस जनित प्रदूषण बताएं।
पर्यावरण में प्रमुख प्रदूषक,
सीसा जीवों का है भक्षक।

20



हवा, धूल, मिट्टी और पानी,
मिलकर पहुंचाता है हानि।
सांस के संग जब अंदर जाता,
फेफड़ों को बस घुन लग जाता।

रक्त में जो ये जरा भी होता,
गुर्दा, मस्तिष्क प्रभावित होता।
पायदान पर जूता रगड़ो,
सीसे वाली धूल से बच लो।



सीसयुक्त पेंट को त्यागो,
सीसे के बर्तन मत अपनाओ।
पेयजल की जांच कराओ,
सीसा प्रदूषण से बच जाओ।



दीपक कौशिक (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय भीकनपुर बघा
कुंदरकी(मुरादाबाद)

रचनाकारों की सूची

शहनाज़ बानो
चित्रकूट
इला सिंह
फतेहपुर
पूजा सचान
फरुखाबाद
हेमलता गुप्ता
अलीगढ़
रुखसाना बानो
मिर्जापुर
प्रतिभा चौहान
मुरादाबाद
आयुषी अग्रवाल
मुरादाबाद
सुमन पाण्डेय
फतेहपुर
गीता यादव
फतेहपुर
आकांक्षा मिश्रा
हरदोई

अर्चना अरोड़ा
फतेहपुर
वन्दना यादव गज़ल
जौनपुर
प्रतिमा उमराव
फतेहपुर
राजेश तिवारी
बाँदा
मंजू शर्मा
हाथरस
मृदुला वैश्य
गोरखपुर
सुधांशु श्रीवास्तव
फतेहपुर
रीना
महराजगंज
प्रवीणा दीक्षित
कासगंज
दीपक कौशिक
मुरादाबाद

काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

